# सी आर डी ई- कृषि विज्ञान केंद्र सेवनिया जिला - सीहोर

## कोविड- 19, कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन (बन्दी)अवधि के दौरान जिले के किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए दिशा निर्देश

### #अनाज/ दलहन /तिलहन#

1.कटी हुई फसल अच्छी तरह साफ और स्वच्छ होनी चाहिए, दानों में नमी की मात्रा 10 से 12% तक रहे।

2. गेंहू फसल की कटाई कंबाइन हार्वेस्टर से करें और भूसा स्ट्रा रीपर द्वारा बनाना सुनिश्चित करें ।

3.चना फसल की कटाई मजदूरों द्वारा करें एवं कटाई के दौरान अलगाव दूरी बनाए रखें।

4. व्रहद समूह में कृषि कार्य को करने से बचे।

5. गेंहू फसल की कटाई पश्चात रोटावेटर से खेत की जुताई करें एवं खेतों में आग ना लगाएं।

6. बीज उत्पादन के लिए फसल की कटाई अलग से करें, कटाई पश्चात बीजों को साफ सफाई व सुखाकर भंडारित करें।

7. ग्रीष्मकालीन मूंग की बुवाई अप्रैल के प्रथम सप्ताह में करना सुनिश्चित करें।

### # सब्जी फसलों #

1.लहसुन फसल की कटाई का कार्य सुनिश्चित करें एवं सुचारु रुप से भंडारित करें ।

2. प्याज, बैगन, टमाटर, मिर्ची, कद्दू वर्गीय एवं अन्य सब्जियों में 10 से 12 दिन के अंतराल पर सिंचाई का कार्य करें।

3. सब्जियों की कटाई, पैकेजिंग, और परिवहन उचित तरीके से करें (हाथों में दस्ताने और मुंह पर मास्क अवश्य लगाएं)।

4.कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जारी की गई सलाह के अनुसार पौध संरक्षण का कार्य करें एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के साथ नियमित संपर्क में रहे।

### # फल वृक्षों #

1. आम के बगीचे में सिंचाई करना सुनिश्चित करें। एवं अनुशंसित मात्रा के आधार पर खाद व उर्वरकों का उपयोग करें।

2. अमरुद बगीचे में कटाई छटाई का कार्य करें।

3. फल वृक्षों में बोर्डोपेस्टिंग करना सुनिश्चित करें।

4. आम के बगीचे में फल मक्खी ट्रैप 10 नग प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें।

5. नींबू फसल में सिट्रस कैंकर रोग से बचाव हेतु ब्लाईटॉक्स दवा 2.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

## # पशुपालन#

1. कोविड - 19 जूनोटिक बीमारी नहीं है, यह पशुओं से इंसानों में नहीं फैलता।
2. पशुओं में खुरपका मुंहपका बीमारी से बचाव हेतु टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें।
3. हरा चारा फसल (मक्का और बाजरा) की बुवाई करना सुनिश्चित करें।
4. पशुओं को छायादार स्थानों पर रखें, पर्याप्त स्वच्छ और ताजा पीने का पानी प्रदान करें।

## # मुर्गीपालन#

1. नये झुंड की शुरुआत करने से बचें और उचित स्वच्छता उपायों को बनाए रखते हुवे मौजूदा झुंड को बेचने की कोशिश करें ।
2. जब स्थिति सामान्य हो जाये तब मुर्गीपालन हमेशा की तरह शुरू किया जा सकता है।

## अधिक जानकारी के लिये संपर्क करे।


**1. श्री संदीप टोड़वाल ( वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान, 7697277171)**

**2. श्री जे. के कनोजिया ( वैज्ञानिक, उद्यानिकी, 9926980176)**

**3. श्री देवेंद्र पाटिल ( वैज्ञानिक, फसल उत्पादन, 8827176184)**

**4. श्री दीपक कुशवाह ( वैज्ञानिक, पौध संरक्षण, 8840485018)**

**5. डॉ. विमलेश कुमार ( वैज्ञानिक, पशुपालन, 8005227757)**

**6. श्री धर्मेन्द्र पटेल ( वैज्ञानिक, कृषि प्रसार, 8889469911)**